एम0 ए0 हिन्दी
तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य –।

PAPER CODE: 21HND23C1

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

CO 1- 'पृथ्वीराज रासो' के अध्ययन के माध्यम से आदिकालीन रास काव्यों की प्रवृत्तियों को समझना ।

CO 2- विद्यापति के अध्ययन के माध्यम से मैथिल कोकिल की रचनाओं में संचरित श्रृंगार के विभिन्न पक्षों को हृदयगंम किया जाता है।

CO 3- मध्यकाल के अन्तर्गत परिगणित भक्तिकाल को साहित्य में 'स्वर्णयुग' के नाम से जाना जाता है। अतः यहाँ पर काव्य जगत् के महान् नायकों कबीर, सूर, तुलसी के काव्य के अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात् करना एवं जानना।

CO 4- रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से श्रृंगारिकता के विविध पक्षों के अध्ययन के साथ–साथ वीर रसात्मक कविताओं के अध्ययन की प्रेरणा को भी अधिगत किया जाता है।

(क) व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

- चन्दवरदायी : पृथ्वीराज रासो का पदमावती समय : संपादक माता प्रसाद गुप्त
- विद्यापति : विद्यापति की पदावली : संपादक–रामवृक्ष बेनीपुरी

निर्धारित पद – 1, 2, 4, 8, 9, 11, 12, 14, 35, 38, 62, 72, 141, 144, 145, 174, 176, 178, 190, 191, 199(अ), 216, 235, 252, 253–कुल 25 पद

कबीर

कबीर : संपादक : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

निर्धारित अंश (।) पाठ्य साखियाँ–106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175, 176, 177, 178, 190, 191, 200, 201, 202, 203, 204, 219, 220, 221, 222, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 245, 246, 255, 256

(।।) पाठ्य पद– 110, 130, 134, 137, 159, 160, 163, 168, 184, 192, 207, 209, 211, 212, 215, 218, 224, 227, 228, 229, 236, 247, 250, 253, 254– कुल 25 पद

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न

चन्दवरदायी

पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता
पृथ्वीराज रासो का वस्तु–वर्णन
पदमावती समय का काव्य–सौन्दर्य

विद्यापति

विद्यापति : भक्त या श्रृंगारी कवि
विद्यापति का श्रृंगार वर्णन
विद्यापति का सौन्दर्यबोध
विद्यापति की गीतियोजना
विद्यापति का काव्य–शिल्प

कबीर

कबीर की सामाजिक विचारधारा
कबीर की निर्गुणोपासना
कबीर की भक्ति
कबीर का दार्शनिक चिन्तन
कबीर की प्रासंगिकता
कबीर का काव्य–शिल्प

पठनीय पुस्तकें

1 पृथ्वीराज रासो : साहित्यिक मूल्यांकन डॉ0 द्विजराम यादव, साहित्य लोक प्रकाशन, कानपुर
2 चन्दबरदायी और उनका काव्य, विपिन बिहारी त्रिवेदी ए हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद ।
3 आदिकाल की प्रामाणिक रचनाएँ, डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त नेशनल पब्लिशिंग हाउस प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 विद्यापति का सौन्दर्यबोध–डॉ0 रामसजन पाण्डेय, अनंग प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली ।
5 विद्यापति : व्यक्ति और कवि–डॉ0 रामसजन पाण्डेय, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली ।
6 विद्यापति–विश्वनाथ मिश्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।
7 कालजयी कबीर–डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरू नानक देव युनिवर्सिटी, अमृतसर ।
8 कबीर मीमांसा–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, वाराणसी ।
9 कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व और सिद्धांत–डॉ0 सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर ।
10 मध्ययुगीन काव्य साधना–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ।
11 संत कबीर–रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
12 संत कवि दादू और उनका काव्य–वासुदेव शर्मा, शोध प्रबन्ध प्रकाशन, नई दिल्ली ।

<u>निर्देश –</u>

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को तीनों अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा ।
2 प्रत्येक पाठय् पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगें। तीनो प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए । प्रत्यके प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।
4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र

भारतीय काव्यशास्त्र –।

PAPER CODE: 21HND23C2

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय देना
CO 2- भारतीय काव्यशास्त्र के विकास क्रम का परिचय देना
CO 3- भारतीय काव्यशास्त्र का महत्त्व और साहित्य में उसकी उपादेयता
CO 4- भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों और सैद्धान्तिक अवधारणा को समझाना
CO 5- भारतीय काव्यशास्त्र में साम्य वैषम्य और उसके कारणों का ज्ञान कराना।
CO 6- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि पैदा करना

काव्य : स्वरूप और प्रकार
काव्य : अर्थ और परिभाषा
काव्य–हेतु
काव्य–प्रयोजन
काव्य–भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य
रस––सिद्धान्त
रस : परिभाषा तथा स्वरूप
रस–निष्पत्ति
साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा
अलंकार सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
रीति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
ध्वनि सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
वक्रोक्ति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
औचित्य सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
हिंदी के प्रमुख आलोचक तथा उनकी आलोचना दृष्टि
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
डॉ0 रामविलास शर्मा

सहायक ग्रंथ

1 काव्यशास्त्र–भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2 हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास–भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
3 भारतीय काव्यशास्त्र–योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4 भारतीय काव्यशास्त्र–सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5 काव्य के रूप–गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली ।
6 साहित्यालोचन–श्याम सुन्दरदास, इण्डियन प्रैस, प्रयाग ।
7 हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास–भगवत स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन, देहरादून ।

8 आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
9 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया–हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
10 साहित्य का आधार दर्शन–जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, भिवानी।
11 साहित्य और अध्ययन–गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली ।
12 हिंदी आलोचना का विकास–डॉ0 सुरेश सिन्हा, रामा प्रकाशन, लखनऊ ।
13 हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

<u>निर्देश –</u>

1. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगें । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा ।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगें जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र

भारतीय साहित्य–।

PAPER CODE: 21HND23C3

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- भारतीय साहित्य के अध्ययन से क्षेत्रियता का लोप होकर राष्ट्रीयता का बोध कराना।

CO 2- भारतीय साहित्य के विविध आयाम इसे आधुनिकता और विश्व–दृष्टि से जोड़ते हैं।

CO 3- भारतीय साहित्य विविधता मे ं एकता का दर्शन कराता है।

CO 4- भारतीय साहित्य भारतीय समाज में सामंजस्य स्थापित कराता है।

खण्ड क

भारतीय साहित्य की सैद्धांतिक अवधारणा
भारतीय साहित्य का स्वरूप
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं
भारतीयता का समाजशास्त्र
हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यो ं की अभिव्यक्ति

खण्ड ख

बांग्ला साहित्येतिहास का परिचयात्मक अध्ययन
चैतन्यपूर्व वैष्णव भक्ति परम्परा : संक्षिप्त परिचय
वैष्णव भक्ति परम्परा में चैतन्य महाप्रभु का योगदान
बांग्ला का इस्लामी काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियां
बांग्ला नवजागरण आंदोलन और बांग्ला गद्य का विकास
बांग्ला की आधुनिक कविता : विकास और परम्परा
बांग्ला नाटक : विकास और परम्परा
बांग्ला उपन्यास : विकास और परम्परा

खण्ड ग

हिंदी एवं बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन
हिंदी एवं बांग्ला नवजागरण का तुलनात्मक अध्ययन
भारतेन्दु हरिश्चंद्र एवं बंकिमचंद्र चटर्जी के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन
उपन्यासकार प्रेमचंद एवं शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय की स्त्री–दृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन
निराला एवं रवीन्द्रनाथ टैगोर के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन

सहायक ग्रंथ

1 बंगला साहित्य की कथा : हिंदी साहित्य–सुकुमार सेन, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग 2009
2 रवीन्द्र कविता कानन–सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–1955
3 बंगला साहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली–1970
4 फोर्ट विलियम कालेज, लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद–1948
5 मध्यकालीन धर्म साधना, हजारी प्रसाद द्विवेदी साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1013

निर्देश –

1. खंण्ड क में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न करना अनिवार्य है ।
2. खण्ड ख में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को दो प्रश्न करना अनिवार्य है ।
3. खण्ड ग में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न करना अनिवार्य है । इस प्रकार परीक्षार्थी को कुल चार दीर्घ प्रश्न करने होंगें । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा ।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्यके प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा ।
5. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगें । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

एम0 ए0 हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प– I)

प्रयोजनमूलक हिंदी – I

PAPER CODE: 21HND23DA1

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- प्रयोजनमूलक हिन्दी के सैद्धांतिक स्वरूप का ज्ञान

CO 2- अनुवाद विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी और महत्त्व

CO 3- जनसंचार माध्यमों की आवश्यकता और लेखन की विशिष्ट शैली का ज्ञान।

CO 4- कंप्यूटर प्रयागे की सैद्धांतिक–व्यावहारिक जानकारी और हिन्दी प्रयोग की विविध विधियों का ज्ञान कराना।

CO 5- राजभाषा हिन्दी का ज्ञान।

CO 6- कायार्लयी राजभाषा के प्रमुख प्रकार्यों की जानकारी।

खंड –क
प्रयोजनमूलक हिंदी और राजभाषा

- प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा और स्वरूप
- हिंदी के विविध रूप : सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा
- राजभाषा हिंदी के प्रमुख रूप : प्रारूपण, पल्लवन, संक्षेपण, टिप्पण, पत्र–लेखन
- पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, स्वरूप और महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

खंड –ख
हिंदी कंप्यूटिंग

कंप्यूटर : परिचय और महत्व
कंप्यूटर : संरचनात्मक स्वरूप
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय
इंटरनेट समय मितव्ययिता का सूत्र
इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय
इंटरनेट : कार्य प्रणाली एवं सुविधाएँ
मशीनी अनुवाद

खंड ग
अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

- अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रक्रिया
- हिंदी की प्रयाजे नीयता मे ं अनुवाद की भूमिका
- साहित्यिक अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार
- काव्यानुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ
- कार्यालयी हिंदी और अनुवाद
- कहानी का अनुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ
- विज्ञापन का अनुवाद

सहायक पुस्तकें

1 राजभाषा हिंदी–कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4 भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी–डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली ।
6 भाषा और भाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
7 आधुनिक विज्ञापन–प्रेमचन्द पातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8 प्रयोजनमूलक हिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
10 कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
11 कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
12 रेडियो और पत्रकारिता–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
13 सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।

<u>निर्देश –</u>

1. पाठ्यक्रम में से निर्धारित प्रत्येक खंड से तीन–तीन प्रश्न दिए जाएंगें । परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्यके खंड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर देने होंगें । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगें । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम0 ए0 हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र :

विशेष रचनाकार प्रेमचंद –।

PAPER CODE: 21HND23DB2

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- प्रेमचंद की युगीन परिस्थितियों का ज्ञान कराना।

CO 2- प्रेमचंद की पूर्ववर्ती कथा परंपरा से परिचय कराना।

CO 3- प्रमे चंद की कृत्तियों के जरिए प्रेमचंद के योगदान को रेखांकित करना। प्रेमचंद की निंदा रचनाओं के जरिए प्रेमचंद को समग्रता में समझ सकना।

CO 4- प्रेमचंद के समकालीन आरै परवर्ती रचनाकारों– आलाचकों की दृष्टि से प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन कर सकना।

क पाठ्य विषय

प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानियाँ सम्पा0 भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

1 निर्धारित कहानियाँ –
बडे भाई साहब, नशा, ईदगाह, पूस की रात, नमक का दरोगा, सवा सेर गेहूँ, बडे घर की बेटी, शतरंज के खिलाडी, रामलीला, आत्माराम, ठाकुर का कुँआ, दो बैलों की कथा, सद्गति, पंच परमेश्वर, परीक्षा, कफन ।

2 मानसरोवर खंड – 1

3 निर्धारित निबंध – नया जमाना पुराना जमाना, महाजनी सभ्यता, साम्प्रदायिकता और संस्कृति, साहित्य का उद्देश्य, जीवन और साहित्य में घृणा का स्थान, कहानी कला

ख आलोच्य विषय

1 प्रेमचंद का जीवन – वृत्त (कलम का सिपाही एवं प्रेमचंद घर में के विशेष संदर्भ में)
2 प्रेमचंद का कृतित्व और लेखकीय जीवन की विकास रेखा
3 राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचंद
4 प्रेमचंद का जीवन – दर्शन
5 हिंदी कहानी के विकास में प्रेमचंद का योगदान
6 प्रेमचंद की कहानियों में युगीन यथार्थ
7 प्रेमचंद का वैचारिक गद्य (समाज, राजनीति, संस्कृति, साहित्य एवं भाषा संबंधी प्रेमचंद के विचार)
8 पत्रकारिता के संदर्भ में प्रेमचंद का योगदान
9 प्रेमचंद की भाषा
10 प्रेमचंद की प्रासंगिकता

सहायक ग्रंथ

1 जैनेन्द्र कुमार : प्रेमचंद एक कृति व्यक्तित्व
2 नन्द दुलारे वाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचना
3 अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता
4 शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में
5 रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विववेचन
6 कल्याणमल लोढ़ा सं0 : प्रेमचंद परिचर्चा
7 राजेश्वर गुरु संपादक : गोदान मूल्यांकन माला
8 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी संपा0 : प्रेमचंद
9 शैलेश जैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा : नव मूल्यांकन
10 कमल किशोर गोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान
11 नन्द किशोर नवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र
12 रामबक्ष : प्रेमचंद और भारतीय किसान
13 कोमल कोठारी, देया : प्रेमचंद के पात्र
14 मदन गोपाल : कलम का मजदूर

<u>निर्देश –</u>

1 खंड क में निर्धारित पाठय् पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगें । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होगें । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्यके प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

Semester –III
Disaster Management
Paper Code : 21ENVO2

MM. Th 80+IA 20
Time : 3 Hours.

Note:
1. Seven questions will be set in all.
2. Question No. 1 will be objective covering the entire syllabus & compulsory. The remaining six questions will be set with two questions from each unit. The candidate will be required to attempt five in total, Question I and four by selecting at least one from each unit.

UNIT- I

Disaster- Causes and phases of disaster, Rapid onset and slow onset disasters. Nature and responses to geo-hazards, trends in climatology, meteorology and hydrology. Seismic activities. Changes in Coastal zone, coastal erosion, beach protection. Coastal erosion due to natural and manmade structures.

UNIT- II

Floods and Cyclones: causes of flooding, Hazards associated with flooding. Flood forecasting. Flood management, Integrated Flood Management and Information System (IFMIS), Flood control. Water related hazards- Structure and nature of tropical cyclone, Tsunamis – causes and physical characteristics, mitigation of risks.

UNIT- III

Earthquakes: Causes and characteristics of ground-motion, earthquake scales, magnitude and intensity, earthquake hazards and risks, Volcanic land forms, eruptions, early warning from satellites, risk mitigation and training, Landslides.

Mitigation efforts: UN draft resolution on Strengthening of Coordination of Humanitarian Emergency Assistance, International Decade for Natural Disaster Reduction (IDNDR), Policy for disaster reduction, problems of financing and insurance.

Reference Books:

1. Bolt, B.A. Earthquakes , W. H. Freeman and Company, New York. 1988
2. Carter, N,W. Disaster Management: A Disaster Manager's Hand Book, Asian Development Bank, Manila. 1992
3. Gautam Ashutosh. Earthquake: A Natural Disaster, Ashok Publishing House, New Delhi. 1994
4. Sahni, P.and Malagola M. (Eds.).Disaster Risk Reduction in South Asia, Prentice-Hall of India, New Delhi. 2003.

5. Sharma, V.K. (Ed.). Disaster Management, IIPA, New Delhi. 1995.
6. Singh T. Disaster management Approaches and Strategies, Akansha Publishing House, New Delhi. 2006
7. Sinha, D. K. Towards Basics of Natural Disaster Reduction, Research Book Centre, New Delhi. 2006
8. Smith, K. Environmental Health, Assessing Risk and Reduction Disaster, 3rd Edition, Routledge, London. 2001 21.

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य –।।

PAPER CODE: 21HND24C1

Course Outcomes

CO 1- 'पृथ्वीराज रासो' के अध्ययन के माध्यम से आदिकालीन रास काव्यों की प्रवृत्तियों को समझना।

CO 2- विद्यापति के अध्ययन के माध्यम से मैथिल कोकिल की रचनाओं में संचरित श्रृंगार के विभिन्न पक्षों को हृदयगंम किया जाता है।

CO 3- मध्यकाल के अन्तर्गत परिगणित भक्तिकाल को साहित्य में 'स्वर्णयुग' के नाम से जाना जाता है। अतः यहाँ पर काव्य जगत् के महान् नायकों कबीर, सूर, तुलसी के काव्य के अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात् करना एवं जानना।

CO 4- रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से श्रृंगारिकता के विविध पक्षों के अध्ययन के साथ–साथ वीर रसात्मक कविताओं के अध्ययन की प्रेरणा को भी अधिगत किया जाता है।

(क) व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

सूरदास

भ्रमरगीत सार : संपादक रामचन्द्र शुक्ल

पाठ्य पद–21 से 70–कुल 50 पद

तुलसीदास

कवितावली, गीता प्रैस गोरखपुर

व्याख्या के लिए निर्धारत पद

बालकाण्ड – 1 से 7, 17, 20, 22

अयोध्या काण्ड – 1,2,7,11,12,19 से 28

उत्तरकाण्ड – 26 से 60

बिहारी

बिहारी रत्नाकार–सं0 जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

निर्धारित दोहे–1, 2, 3, 4, 11, 13, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 25, 31, 32, 38, 42, 45, 46, 51, 52, 53, 54, 55, 60, 61, 66, 67, 69, 70, 71, 73, 74, 75, 76, 78, 83, 85, 87, 88, 94, 95, 102, 103, 104, 112, 121, 141, 142, 151, 154, 155, 171, 182, 188, 190, 191, 192, 201, 202, 207, 217, 225, 227, 228, 236, 251, 255, 285, 299, 300, 301, 303, 317, 321, 327, 331, 341, 347, 349, 357, 363, 386, 388, 406, 407, 432, 472, 519, 557, 570, 576, 588, 606, 611, 624, 635, 677, 681, 713–100 दोहे

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न

सूरदास

भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत

सूर की भक्ति भावना

सूर का श्रृंगार वर्णन

सूर का वात्सल्य वर्णन

सूर की भाषा–शैली

सूर की गीतियोजना

भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य

तुलसीदास

- तुलसीदास की भक्तिभावना
- तुलसीदास की सामाजिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि
- तुलसीदास की प्रासंगिकता
- तुलसीदास की समन्वय भावना
- कवितावली का काव्य रूप
- कवितावली का काव्य सौष्ठव
- तुलसीदास की लोकमंगल–भावना

बिहारी

सतसई काव्य परम्परा और बिहारी सतसई
मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी
बिहारी का श्रृंगार वर्णन
बिहारी का सौन्दर्यबोध
बिहारी की बहुज्ञता
बिहारी का शिल्प पक्ष

सहायक ग्रंथ

1 तुलसी दर्शन मीमांसा–उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
2 तुलसीदास–चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
3 तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हिंदी साहित्य संस्थान, रोहतक।
4 तुलसी का मानस–डॉ0 मुंशीराम शर्मा, ग्रन्थम, कानपुर ।
5 सूर और उनका साहित्य–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।
6 सूर की साहित्य साधना–डॉ0 भगवत्स्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर अरुण, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा।
7 बिहारी और उनका साहित्य–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़ ।
8 हिंदी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
9 बिहारी–बच्चन सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।
10 महाकवि बिहारी का श्रृंगार निरूपण–डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।

<u>निर्देश –</u>

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को तीनों अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा ।
2 प्रत्येक पाठय् पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होगें । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिएँ। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना हागो। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

पाश्चात्य काव्य शास्त्र –।।

PAPER CODE: 21HND24C2

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय देना जिससे साहित्यिक समझ एवं दृष्टि विकसित होती है।
CO 2- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों का ज्ञान कराना
CO 3- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के साम्य–वैषम्य और उनके कारणों पर विचार करना
CO 4- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास का परिचय देना
CO 5- नई समीक्षा के सिद्धान्तों का ज्ञान कराना
CO 6- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का साहित्य में महत्त्व और उपादेयता पर विचार करना।
CO 7- आलोचना की विविध प्रणालियों तथा नई अवधारणाओ ं का परिचय देना।

प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचेन सिद्धांत
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा
ड्राइडन : काव्य सिद्धांत
वड्र्सवर्थ : काव्य सिद्धांत
कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत
मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी0 एस0 इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
आई0 ए0 रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद–
स्वच्छन्दतावाद
शास्त्रीयतावाद
अभिव्यंजनावाद
मार्क्सवाद
फ्रायडवाद
अस्तित्ववाद
उत्तर आधुनिकतावाद

सहायक ग्रंथ :

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त–डॉ0 मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र–देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा–डॉ0 तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली ।
4 आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
5 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया–हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी ।
6 पाश्चात्य काव्य चिंतन–डॉ0 करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
7 पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन संदर्भ–सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
8 हिंदी आलोचना के आधार स्तम्भ–सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

9 हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार–रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
10 हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

<u>निर्देश –</u>

1 पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा।
2 पूरे पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र

भारतीय साहित्य –।।

PAPER CODE: 21HND24C3

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- भारतीय साहित्य के अध्ययन से क्षेत्रियता का लोप होकर राष्ट्रीयता का बोध कराना।

CO 2- भारतीय साहित्य के विविध आयाम इसे आधुनिकता और विश्व–दृष्टि से जोड़ते हैं।

CO 3- भारतीय साहित्य विविधता में एकता का दर्शन कराता है।

CO 4- भारतीय साहित्य भारतीय समाज में सामंजस्य स्थापित कराता है।

(क) भारतीय साहित्य की सैद्धांतिक अवधारणा
भारतीय साहित्य का स्वरूप
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
भारतीयता का समाजशास्त्र

(ख) पाठ्य विषय
दीवान–ए–गालिब, संपा0–अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्धारित गजलें :

बस कि दुश्वार है	18
ये न थी हमारी किस्मत	21
ज़िक्र उस परीचश का	44
रहिए अब ऐसी जगह	128
कोई उम्मीद बर नहीं आती	162
दिले नादां तुझे हुआ क्या है	163
हर एक बात पै कहते हो	179
नुक्तची है ग़म–ए–दिल	192
इब्ने मरियम हुआ करे कोई	216
हजारों ख्वाहिशें ऐसी	220

रवीन्द्रनाथ की कहानियाँ (खण्ड ।), अनु0–रामसिंह तोमर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियॉ–
पोस्टमास्टर, काबुलीवाला, दृष्टिदान, नष्टनीड़, पत्नी का पत्र, पात्र और पात्री
'खामोश अदालत जारी है' (नाटक) : विजय तेंदुलकर
संस्कार (उपन्यास) : यू0 आर0 अनंतमूर्ति

(ग) आलोच्य विषय
ग़ालिब की ग़ज़लों का काव्य–सौष्ठव
रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानियॉ–पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना एवं चरित्र

चित्रण पर आधारित प्रश्न
'खामोश अदालत जारी है' : नाटक की मूल संवेदना, प्रमुख पात्रों का
चरित्र–चित्रण, पितृसत्तात्मक व्यवस्था पर व्यंग्य,
रंगमंच की दृष्टि से नाटक
संस्कार : उपन्यास का मूल प्रतिपाद्य, नामकरण, प्रमुख पात्रो ं का चरित्र चित्रण,
उपन्यास का शिल्प–पक्ष

सहायक ग्रंथ :

1 बंगला साहित्य की कथा : हिंदी साहित्य – सुकुमार सेन, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग सं0 2009
2 रवीन्द्र कविता कानन – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–1955
3 बंगला साहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली–1970
4 फोर्ट विलियम कॉलेज, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद–1948
5 मध्यकालीन धर्म साधना, हजारीप्रसाद द्विवेदी साहित्य भवन, इलाहाबाद सं0 1013

निर्देश –

1 खंड क और ख में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा ।
2 खंड क और ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।
4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र

प्रयोजनमूलक हिंदी –।।

PAPER CODE: 21HND24DA1

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- प्रयोजनमूलक हिन्दी के सैद्धांतिक स्वरूप का ज्ञान

CO 2- अनुवाद विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी और महत्त्व

CO 3- जनसंचार माध्यमों की आवश्यकता और लेखन की विशिष्ट शैली का ज्ञान।

CO 4- कंप्यूटर प्रयोग की सैद्धांतिक–व्यावहारिक जानकारी और हिन्दी प्रयोग की विविध विधियों का ज्ञान कराना।

CO 5- राजभाषा हिन्दी का ज्ञान।

CO 6- कायार्लयी राजभाषा के प्रमुख प्रकार्यों की जानकारी।

खंड –क
पत्रकारिता

- पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप, वर्गीकरण और महत्व
- हिंदी पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास
- संवाददाता के गुण
- समाचार लेखन कला
- समाचार के स्रोत
- प्रेस विज्ञप्ति
- संपादक और संपादन
- प्रूफ पठन और संशोधन

खंड–ख
मीडिया लेखन

जन संचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ

जनसंचार माध्यम :

- मुद्रण (प्रिंट मीडिया) समाचार पत्र का साहित्यिक स्वरूप
- श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी) का भाषाई एवं साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन, चलचित्र आदि) का भाषाई और साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य तत्व और उनका सामंजस्य
- फीचर : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा

खंड–ग
पारिभाषिक शब्दावली

- भाषाविज्ञान की शब्दावली
- मानविकी शब्दावली
- प्रशासनिक शब्दावली
- कंप्यूटर शब्दावली

सहायक ग्रंथ

1 राजभाषा हिंदी–कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4 भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी–डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली ।
6 भाषा और भाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
7 आधुनिक विज्ञापन–प्रेमचन्द पातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8 प्रयोजनमूलक हिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
10 कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
11 कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
12 रेडियो और पत्रकारिता–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
13 सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।

<u>निर्देश –</u>

1 पाठ्यक्रम के खंड क और ख में से तीन–तीन प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थियों को कुल तीन प्रश्नों के उत्तर देने होगें । प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 42 अंक का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3 खंड ग में निर्धारित पारिभाषिक शब्दावली में से 20 अंग्रेजी शब्द दिए जाएंगे । परीक्षार्थियों को 14 शब्दों के हिंदी पारिभाषिक रूप लिखने होंगे। प्रत्येक उत्तर एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र

विशेष रचनाकार प्रेमचंद – ।।

PAPER CODE: 21HND24DB2

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- प्रेमचंद की युगीन परिस्थितियों का ज्ञान कराना।

CO 2- प्रेमचंद की पूर्ववर्ती कथा परंपरा से परिचय कराना।

CO 3- प्रेमचंद की कृत्तियों के जरिए प्रेमचंद के योगदान को रेखांकित करना। प्रेमचंद की चुनिंदा रचनाओं के जरिए प्रेमचंद को समग्रता में समझ सकना।

CO 4- प्रेमचंद के समकालीन और परवर्ती रचनाकारों – आलोचकों की दृष्टि से प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन कर सकना।

क) पाठ्य विषय

1 रंगभूमि
2 कर्मभूमि
3 प्रेमाश्रम

ख) आलोच्य विषय

1 प्रेमचंद पूर्व उपन्यास – परम्परा
2 प्रेमचंद के उपन्यासों में सामाजिक – चेतना
3 प्रेमचंद के उपन्यासों में आदर्श और यथार्थ
4 प्रेमचंद के उपन्यासों में नारी – चित्रण
5 प्रेमचंद का औपन्यासिक शिल्प
6 रगं भूमि में गॉधीवादी दर्शन
7 प्रेमाश्रम में कृषक जीवन
8 कर्मभूमि में राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन
9 हिंदी उपन्यास को प्रेमचंद का योगदान

सहायक ग्रंथ

1 जैनेन्द्र कुमार : प्रेमचंद एक कृति व्यक्तित्व
2 नन्द दुलारे वाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचना
3 अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता
4 शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में
5 रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विववेचन
6 कल्याणमल लोढ़ा सं0 : प्रेमचंद परिचर्चा
7 राजेश्वर गुरु संपादक : गोदान मूल्यांकन माला
8 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी संपा0 : प्रेमचंद

9 शैलेश जैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा – नव मूल्यांकन
10 कमल किशोर गोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान
11 नन्द किशोर नवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र
12 रामबक्ष : प्रेमचंद और भारतीय किसान
13 कोमल कोठारी, देया : प्रेमचंद के पात्र
14 मदन गोपाल : कलम का मजदूर

<u>निर्देश –</u>

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।